मनमोहन का पावना कोई हंसी

मनमोहन का पावना कोई हंसी खेल नहीं हैं ।
उस मालिक का पावना कोई हंसी खेल नहीं हैं ॥

सरदा करके प्रेम भजन में बैठगया प्रहलाद अगन में
अग्नि में जल जावणा कोई हंसी खेल नहीं हैं॥

उस मालिक का पावना कोई हंसी खेल नहीं हैं

बिलनी द्रोपती मीरा बाई इस दुनिया ने बहुत सताई
लूट पिट के न गम खावना कोई हंसी खेल नहीं हैं ॥

मनमोहन का पावना कोई हंसी खेल नहीं हैं ॥

कीर्ति कंचन और कामनी चोरी जारी जुहा जामनी
मन माया त समझावना कोई हंसी खेल नहीं हैं ॥

उस मालिक का पावना कोई हंसी खेल नहीं हैं

"कृष्णलाल" गुरु जी के दर्शन "चंदरभान" संत हुए प्रसन्न
सतगुरु का गुण गावना कोई हंसी खेल नहीं हैं ॥

उस मालिक का पावना कोई हंसी खेल नहीं हैं

मनमोहन का पावना कोई हंसी खेल नहीं हैं

स्वर --" भगत रामनिवास "

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2699/title/manmohan-ka-pawna-koi-hansi-khel-nahi-hai-us

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |